ISSN No. 2231-6329
(UGC-CARE Listed Group-I)

राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कोविड - १९ के कारण अलवर जिले के विद्यार्थियों के शैक्षणिक, मानसिक एवं व्यावहारिक स्थिति पर पडने वाले प्रभावों का अध्ययन

डॉ० बी० एल० जैन
शिक्षा विभागाध्यक्ष, जैन विश्व भारती, संस्थान, लाडनू (राज०)

अलकेश गुप्ता
शोधकर्त्री, जैन विश्व भारती, विश्वविद्यालय, लाडनू (नागौर) राज०

सारांश - अलवर जिले की खेरली (शहरी) व कठूमर (ग्रामीण) तहसील में कोविड - १९ के कारण विद्यार्थियों की शैक्षिक मानसिक एवं व्यावहारिक स्थिति पर पडने वाले प्रभावों का अध्ययन का समग्र विश्लेषण करने के पश्चात् यह निष्कर्ष निकलता है कि चयनित विद्यालयों के विद्यार्थियों पर ऑनलाइन व ऑफलाइन शिक्षा का सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही प्रभाव पडे हैं। यद्यपि कक्षा शिक्षण सर्वाधिक उपयुक्त माध्यम हैं तथा ऑनलाइन शिक्षण एक सहायक उपकरण के तौर पर अच्छा है, क्योंकि टैक्नोलॉजी विद हुमैन फेस के सिद्वान्त में अच्छा है, तथा नई तकनीकों और विद्यार्थियों और प्रविधियों से विद्यार्थियों में सीखने के प्रति जिज्ञासा बढी है। लेकिन कोरोना महामारी ने विद्यार्थियों के सम्पूर्ण जीवन को प्रभावित किया है और लोगों में तथा समाज में अनेक बदलाव आये हैं । इससे पूर्व भी महामारियाँ विश्व में आती रहीं हैं। लेकिन कोरोना ने सर्वाधिक असर विद्यार्थी जीवन एवं शिक्षा पर कोरोना ने ही डाला है तथा विद्यार्थियों को भविष्य के बारे में सीखने और चुनौतियों का सामना करने के लिये भी तैयार किया है। बदलाव से विद्यार्थियों ने अपने को तैयार किया है।

मुख्य शब्द - कोविड-१९, शैक्षिक, मानसिक, व्यावहारिक

प्रस्तावना - पूरे विश्व में कोरोना वायरस महामारी कोविड - १९ एक भयावह बीमारी के रूप में फैल चुकी है। यह संक्रमण इतना तेजी से फैला है कि जिसने सम्पूर्ण विश्व को अपने पंजे में जकड़ लिया है।

चीन के बुहान शहर में प्रयोग के बाद यह पूरे विश्व में एक भयावह महामारी के रूप में फैली। अब इसके क्या राजनैतिक कारण अथवा एक देश के दूसरे देश के प्रति साजिश या अनुसंधान रहे हों हम नहीं जान पाये किन्तु इतना जरूर परिलक्षित हुआ है कि अदृश्य मानव रूपी कोविड-१९ महामारी के वायरस से पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था सहित मानव समाज के शैक्षिक सामाजिक एवं राजनैतिक क्षेत्र को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है।

इस महामारी में सम्पूर्ण मानवजाति, उनकी दिनचर्या, जीवनमूल्य, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक जीवन पर ही प्रभाव पडा अपितु पूरे विश्व में शैक्षिक मूल्यों को भी प्रभावित किया है। साथ ही जीवन मूल्य और व्यक्तिवाद पर भी खतरा उत्पन्न हुआ है।

पूरे विश्व की शैक्षिक व्यवस्था चरमरा गई है।

ISSN No. 2231-6329
(UGC-CARE Listed Group-I)

इस बीमारी के रहते देश दुनिया में लॉकडाऊन लगा दिया गया जिससे हमारे आर्थिक और सामाजिक जनजीवन पर गहरा प्रभाव पडा। २२ मार्च, २०२० से सम्पूर्ण भारत में अनिश्चित कालीन लॉकडाउन की वजह से स्कूल, कॉलेज बन्द कर दिये गये। सभी प्रकार की शैक्षिक/सहशैक्षिक व्यवस्था ठप्प हो गई। शिक्षण संस्थानों के बन्द होने के कारण दुनिया भर में लगभग ६०० मिलियन शिक्षार्थियों के प्रभावित होने की आशंका है।

देश के अन्य प्रदेशों की तरह राजस्थान के विद्यार्थियों की शैक्षिक, सामाजिक व सामाजिक/आर्थिक स्थितियों का आकलन करने पर हम मजबूर हो जाते हैं। इन सभी क्षेत्रों में हानि होने का अभिभावकों के साथ -साथ बालकों पर भी गहरा प्रभाव पडा है।

समस्या का औचित्य - शोध या अनुसंधान किसी भी क्षेत्र में ज्ञान की खोज करना या विधिवत गवेषणा करना है, शोध उस प्रक्रिया अथवा कार्य का नाम है जिसमें बोधपूर्वक प्रयत्न से तथ्यों का संकलन कर सूक्ष्मग्राही एवं विवेचक बुद्धि से उसका अवलोकन विश्लेषण कर नए तथ्यों या सिद्धान्तों को स्थापित किया जाये।

यह शोध कोविड -१९ के कारण अलवर जिले के विद्यार्थियों की शैक्षणिक, मानसिक एवं व्यावहारिक स्थिति पर पडे प्रभाव को जानने एवं समझने में सहायक होगा। इस शोध से समाज के सम्मुख कोरोना कालीन समस्याओं एवं समाज द्वारा किये गये समाधानों की जानकारी होगी। यह शोध विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक एवं समस्त समाज को दिशा प्रदान करेगा। यह शोध ज्ञान भण्डार को विकसित व परिमार्जित करता है। यह शोध पूर्वाग्रहों के निदान और निवारण में सहायक होगा। यह शोध अनेक नवीन कार्यविधियों एवं उत्पाद को विकसित करता है।

सम्पूर्ण विश्व कोरोना महामारी से पीडित रहा है, हम सभी साक्षी रहे हैं कि कैसे मानव ने अपने अस्तित्व के लिये संघर्ष किया। साथ ही अनेक दिखावटी एवं गैर -जरूरी तत्व जीवन चर्या से कम होते गये । हम सभी दिन -प्रतिदिन सहज एवं सरल होते गये। इसमें तमाम बदलाव हो रहे हैं जिससे शिक्षा का क्षेत्र भी अछूता नहीं है। पारम्परिक मानदण्डों का स्थान वैकल्पिक मॉडल तथा इन्टरनेट, मोबाइल, लैपटॉप आदि पर आभासी कक्षाओं ने ले लिया।

आज सबसे बडी जरूरत मानसिक कुशलता की गंभीरता को समझने की है। मानसिक स्वास्थ्य प्रणाली परस्पर जुडी हुई शक्ति के रूप में है जो अन्य कार्यों को भी प्रभावित करती है, इसलिये सही समय पर मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान न देने से यह खतरा वयस्कता तक बढ सकता है और इसमें शारीरिक, शैक्षिक, व्यावहारिक एवं मनावैज्ञानिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पडता है। लॉकडाउन के कारण पूर्ण बन्दी लॉकडाउन में कैद रहने के कारण ज्यादातर बच्चों में अवसाद के लक्षण पैदा हो गये।

व्यावहारिक दृष्टि से भी विद्यार्थियों में वैकल्पिक और व्यापक बदलाव दृष्टिगोचर हुये। परिस्थितिजन्य समस्याओं में वह परिवार की रोजी-रोटी जुटाने में स्वयं प्रवृत्त हुआ। विद्यार्थी सामाजिक ताने - बाने को समरसता पूर्वक एवं सकारात्मक दृष्टि से बनाये रखने में कितना अग्रणी रहा या किस मोड पर खडा है।

शैक्षणिक मानसिक एवं व्यावहारिक दृष्टि से कोरोनाकाल के उपरान्त वह अपने आप को किस स्थिति में खडा पाता है। इस शोध के निष्कर्ष के आधार पर स्पष्ट होगा। यह शोध लॉकडाउन जनित समस्याओं एवं उनके उपयुक्त समाधान का मार्ग प्रशस्त करेगा। शोध के माध्यम से विद्यार्थियों पर पडने वाले प्रभावों का आकलन कर सुझावों और अभिमतों के द्वारा सम्बन्धित प्रभावों का अध्ययन किया जा सकेगा।

ISSN No. 2231-6329
(UGC-CARE Listed Group-I)

समस्या कथन – राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कोविड –१९ के कारण अलवर जिले के विद्यार्थियों के शैक्षणिक मानसिक एवं व्यावहारिक स्थिति पर पडने वाले प्रभावों का अध्ययन

शोध के उद्देश्य – इस शोध प्रायोजना का मुख्य उद्देश्य अलवर जिले में कोविड –१९ के कारण अलवर जिले के विद्यार्थियों के शैक्षणिक, मानसिक एवं व्यावहारिक स्थिति पर पडने वाले प्रभावों का अध्ययन । करना है।

इस शोध के बिन्दुसार उद्देश्य निम्नानुसार निर्धारित किये गये हैं –

१. कोविड – १९ की परिस्थितियों का अलवर जिले के विद्यार्थियों पर पडने वाले शैक्षणिक प्रभावों को अध्ययन करना।

२. कोविड –१९ की परिस्थितियों का अलवर जिले के विद्यार्थियों पर पडने वाले मानसिक स्थिति के प्रभावों का अध्ययन करना।

३. कोविड –१९ की परिस्थितियों का अलवर जिले के विद्यार्थियों पर पडने वाले व्यावहारिक स्थिति के प्रभावों का अध्ययन करना।

४. कोरोना काल में विधायी शिक्षक एवं अभिभावकों को आने वाली समस्याओं का अध्ययन करना।

५. कोविड –१९ के दौरान आने वाली सभी समस्याओं में समाधान एवं दिये गये सुझावों का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनायें –

१. कोविड –१९ की परिस्थितियों में अलवर जिले के ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों की शैक्षणिक स्थिति में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

२. कोविड –१९ की परिस्थितियों में अलवर जिले के ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों की मानसिक स्थिति में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

३. कोविड –१९ की परिस्थितियों में अलवर जिले के ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों की व्यावहारिक स्थिति में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

तकनीकी शब्दों का परिभाषीकरण –

१. कोविड –१९ – कोरोना वायरस द्वारा जनित वैश्विक महामारी ।

२. शैक्षणिक स्थिति – शिक्षा का स्तर

३. मानसिक स्थिति – मन की अवस्था/मनः स्थिति

४. व्यावहारिक स्थिति – आदतों में परिवर्तन/वास्तविक स्थिति

५. प्रभाव – पडने वाला असर/गहरा असर

६. अध्ययन – पढकर उसकी समझ बनाना।

शोध का परिसीमन –

१. यह अध्ययन राजस्थान राज्य के अलवर जिले तक सीमित रहेगा।

२. यह अध्ययन अलवर जिले की खेरली (नगरपालिका, शहरी क्षेत्र) के विद्यालयों तक सीमित रहेगा।

३. यह अध्ययन अलवर जिले की कठूमर (ग्रामीण क्षेत्र) के विद्यालयों तक सीमित रहेगा।

ISSN No. 2231-6329
(UGC-CARE Listed Group-I)

शोध विधि – प्रस्तुत शोध में शोधकर्त्री द्वारा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया जायेगा।

शोध के चर –

१. आश्रित चर – राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थी

२. स्वतन्त्र चर – मानसिक, शैक्षणिक एवं व्यावहारिक परिस्थितियाँ

जनसंख्या एवं न्यादर्श – प्रस्तुत अध्ययन में जनसंख्या के रूप में अलवर शहर के खेरली व कठूमर तहसील के विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

न्यादर्श कुल विद्यार्थी (६०)

खेरली (शहरी) विद्यालय के विद्यार्थी (३०)

कठूमर (ग्रामीण) विद्यालय क विद्यार्थी (३०)

१५ छात्रा (रा०उ०मा० वि० सालवाडी)

१५ छात्र (रा०उ०मा०वि० नाहरखोहरा)

१५ छात्रा (रा० बालिका उ०मा० वि० खेरली)

१५ छात्र (रा० उ०मा०वि०) खेरली

शोध के उपकरण – विद्यार्थियों के लिये – स्वनिर्मित प्रश्नावली

सांख्यिकी – प्रतिशत – प्रति सौ या सैकड़ा ;:त्र१९१००द्ध

आंकडों का विश्लेषण एवं व्याख्या –

१. **परिकल्पना** – कोविड – १९ परिस्थितियों में अलवर जिले के ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों की व्यावहारिक स्थिति में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

सारणी –३

	व्यावहारिक स्थिति से संबंधित कथन	ग्रामीण विद्यार्थी				शहरी विद्यार्थी			
		३०				३०			
क्र.सं.			हाँ		नहीं		हाँ		नहीं
१.	उस दौरान आप बाहर घूमने जाते थे ?	17	56.60	13	43.30	10	33.30	20	66.60
२.	कोविड –१९ में घर पर प्रतिदिन व्यायाम करते?	25	83.30	5	16.60	28	93.30	2	66.60

ISSN No. 2231-6329
(UGC-CARE Listed Group-I)

३.	कोविड -१९ के दौरान आपने जरूरतमन्दों की मदद की ?	20	66.60	10	33.30	25	83.30	5	16.60
४.	कोविड-१९ में शिक्षकों के फोन आते या घर पर आकर आपसे सम्पर्क करते ?	20	66.60	10	33.30	15	50.00	15	50.00
५.	उस दौरान बुखार, खांसी, व जुकाम होने का भय मन में रहता था ?	16	53.30	4	13.30	28	93.30	2	6.6
	योग		**66.95**		**32.50**		**79.15**		**49.80**

विश्लेषण - उपर्युक्त तृतीय व्यावहारिक स्थिति से संबंधित कथनों के अध्ययन से विदित होता है कि कोविड -१९ की परिस्थितियों में अलवर जिले के ग्रामीण विद्यार्थियों की व्यावहारिक सकारात्मक स्थिति ६६.९५ प्रतिशत (औसत रूप में) है वहीं शहरी विद्यार्थियों की व्यावहारिक सकारात्मक स्थिति ७९.१५ प्रतिशत (औसत रूप में) है। जबकि कोविड -१९ की परिस्थितियों में अलवर जिले के ग्रामीण विद्यार्थियों की व्यावहारिक नकारात्मक स्थिति ३२.५० प्रतिशत (औसत रूप में) है वहीं शहरी विद्यार्थियों की व्यावहारिक नकारात्मक स्थिति ४९.८० प्रतिशत (औसत रूप में) है।

अतः निष्कर्ष रूप में (परिकल्पना के आधार पर) कहा जा सकता है कि अलवर जिले के ग्रामीण और शहरी विद्यार्थियों की व्यावहारिक स्थिति में सार्थक अन्तर है क्योंकि ग्रामीण विद्यार्थियों के पास इतनी आय के साधन नहीं है कि वो शहरी विद्यार्थियों की अपेक्षा जरूरत मन्दों की सहायता कर सके वहीं शहरी विद्यार्थियों के पास शिक्षकों का घर पर आकर सम्पर्क कम रहा है क्योंकि वहाँ ऑनलाइन सम्पर्क के साधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है अपेक्षाकृत ग्रामीण विद्यार्थियों के ।

२. **परिकल्पना** - कोविड-१९ की परिस्थितियों में अलवर जिले के ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों की मानसिक स्थिति में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

सारणी

	मानसिक स्थिति से संबंधित कथन	**ग्रामीण विद्यार्थी**				**शहरी विद्यार्थी**			
		३०				**३०**			
क्र. सं.			**हाँ**		**नहीं**		**हाँ**		**नहीं**
१.	आपने उस दौरान अकेलेपन के कारण मानसिक तनाव को महसूस किया ?	15	50	15	50	18	60.00	12	40
२.	कोविड-१९ के दौरान आप पर घरवालों के द्वारा ज्यादा पाबन्दियाँ रखीं गईं ?	18	60	12	40	15	50	15	50

ISSN No. 2231-6329
(UGC-CARE Listed Group-I)

३.	आपने सोशल डिस्टैन्सिंग का पालन किया ?	22	76.60	8	26.60	28	93.30	2	6.6
४.	आप उस दौरान हाथ धोकर ही खाना खाते ?	25	83.30	5	16.60	28	93.30	2	6.6
५.	कोविड-१९ के दौरान मास्क, सेनेटाइज का उपयोग किया ?	29	96.60	1	3.3	29	96.60	1	3.3
६.	कोविड-१९ में इन्टरनेट रूक-रूक कर चलता तो आप असहज महसूस करते ?	20	66.60	10	33.3	10	33.30	20	66.60
	योग		75-47		36-51		79-60		20-40

विश्लेषण - उपर्युक्त द्वितीय मानसिक स्थिति से संबंधित कथनों के अध्ययन से विदित होता है कि कोविड - १९ की परिस्थितियों में अलवर जिले के ग्रामीण विद्यार्थियों की मानसिक सकारात्मक स्थिति ७५.४७ प्रतिशत (औसत रूप में) है वही शहरी विद्यार्थियों की मानसिक स्थिति सकारात्मक स्थिति ७९.६० प्रतिशत (औसत रूप में) है। जबकि कोविड -१९ की परिस्थितियों में अलवर जिले के ग्रामीण विद्यार्थियों की मानसिक नकारात्मक स्थिति ३६.५१ प्रतिशत (औसत रूप में) है वहीं शहरी विद्यार्थियों की मानसिक नकारात्मक स्थिति २०.४० प्रतिशत (औसत रूप में) है।

अतः निष्कर्ष रूप में (परिकल्पना के आधार पर) कहा जा सकता है कि अलवर जिले के ग्रामीण और शहरी विद्यार्थियों की मानसिक स्थिति में सार्थक अन्तर है क्योंकि ग्रामीण विद्यार्थियों में सोशल डिस्टैसिंग मास्क, सेनेटाइज आदि जागरूकता का अभाव था वहीं शहरी विद्यार्थियों में ये सभी जागरूकताऐं विद्यमान थी।

ISSN No. 2231-6329
(UGC-CARE Listed Group-I)

३. **परिकल्पना** – कोविड – १९ की परिस्थितियों में अलवर जिले के ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिणिक स्थिति में सार्थक अन्तर पाया जाता है।

सारणी

	शैक्षणिक स्थिति से संबंधित कथन	ग्रामीण विद्यार्थी				शहरी विद्यार्थी			
		३०				३०			
क्र.सं.			हाँ		नहीं		हाँ		नहीं
१.	आपने कोरोनाकाल में पढ़ने का समय निश्चित किया था ?	17	56.60	13	53.10	19	63.30	11	36.30
२.	आपको कोविड-१९ के दौरान नियमित रूप से ऑनलाइन शिक्षण सामग्री भेजी गई ?	15	50.00	15	50.00	25	83.30	15	17.30
३.	आपने उस दौरान शिक्षकों की कमी को महसूस किया ?	22	73.30	8	26.60	26	86.60	4	13.30
४.	आपने स्माईल-१ व स्माइल-२ एप के जरिये अध्ययन किया?	26	86.60	4	13.30	28	93.30	2	66.00
५.	आप ऑनलाइन गृहकार्य को नियमित रूप से करते थे ?	28	93.30	2	6.60	30	100.00	0	-
	योग		75.82		23.41		66.69		33.31

विश्लेषण – उपर्युक्त प्रथम शैक्षिक स्थिति से संबंधित कथनों के अध्ययन से विदित होता है कि कोविड-१९ की परिस्थितियों में अलवर जिले के ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक सकारात्मक स्थिति ७५.८२ प्रतिशत (औसत रूप में) है वहीं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक सकारात्मक स्थिति ६६.६९ प्रतिशत (औसत रूप में) है जबकि कोविड -१९ की परिस्थितियों में अलवर जिले के ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक नकारात्मक स्थिति २३.४० प्रतिशत (औसत रूप में) है वहीं शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक नकारात्मक स्थिति ३३.३१ प्रतिशत (औसत रूप में) है।

अतः निष्कर्ष रूप में (परिकल्पना के आधार पर) कहा जा सकता है कि अलवर जिले के ग्रामीण और शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति में सार्थक अन्तर है क्योंकि ग्रामीण विद्यार्थियों की शिक्षण सामग्री पर्याप्त मात्रा में प्राप्त नहीं थी जबकि शहरी विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री प्राप्त करने का प्रतिशत सर्वाधिक रहा।

शोध से प्राप्त निष्कर्ष – अलवर जिले के खेरली व कठूमर तहसील में कोविड-१९ के कारण विद्यार्थियों की शैक्षिक मानसिक व व्यावहारिक स्थिति पर पडने वाले प्रभावों के अध्ययन का समग्र विश्लेषण और अध्ययन करने के पश्चात् यह निष्कर्ष निकला कि चयनित विद्यालय एवं विद्यार्थी अभिभावक और अध्यापकों से प्राप्त आंकडों और

ISSN No. 2231-6329
(UGC-CARE Listed Group-I)

सुझावों तथा प्रश्नों के उत्तरों के आधार पर ऑनलाइन और ऑफलाइन शिक्षा के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही प्रभाव पडे हैं। यद्यपि कक्षा शिक्षण सर्वाधिक उपर्युक्त माध्यम हैं तथा ऑनलाइन शिक्षण एक सहायक उपकरण के तौर पर अच्छा है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची -

पुस्तकें -

- डा० आर०ए० शर्मा अनुसंधान के मूल तत्व सूर्या पब्लिकेशन मेरठ (उ०प्र०)
- पाठक वी.डी० - भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएँ- आगरा (उ०प्र०)
- शर्मा बी०एन० - शिक्षा मनोविज्ञान साहित्य प्रकाशन आगरा (उ०प्र०)

पत्रिकाएँ एवं वेब साईट्स -

- शोध पत्रिका - २०१९-२० जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) अलवर
- RSCERT उदयपुर द्वारा जारी अनुसंधान मोड्यूल
- www.youtube.com
- www.youtube.com

विद्यालयों के लिये प्रश्नावली

नाम - कक्षा -

लिंग - आयु -

विद्यालय का नाम -

क्षेत्रः- ग्रामीण /शहरी -

क्र. सं.		हाँ	नहीं	कोई जवाब नहीं
१.	क्या कोरोना काल में अपने पढने का समय निश्चित किया था ?			
२.	आपके पास ऑनलाइन अध्ययन हेतु इन्टरनेट की व्यवस्था कैसी थी ?			
३.	आपने ऑनलाइन शिक्षण में अध्यापकों की कमी को महसूस किया था ?			
४.	क्हीं आपको कोविड - १९/ कोरोना ना हो जाये इस बात की चिन्ता हुई ?			
५.	आपको लगता है कि इस दौरान लोगों को एक दूसरे की मदद की आवश्यकता थी?			

ISSN No. 2231-6329
(UGC-CARE Listed Group-I)

६.	इस दौरान अकेलेपन के कारण आपको मानसिक तनाव का सामना करना पडा ?			
७.	क्या आप चाहते हैं कि जल्द ही यह बीमारी समाप्त हो जाये और सब कुछ पहले जैसा हो जाये?			
८.	क्या कोरोनाकाल में आप अपने दादा -दादी या बडों से कहानियां सुनते थे ?			
९.	क्या आपने इस दौरान मास्क का नियमित प्रयोग किया ?			
१०.	क्या आपने योग/व्यायाम आदि में कुछ समय बिताया ?			
११.	क्या आप हाथ धोने की आदत को अपनाये रखना चाहते हैं ?			
१२	क्या आपने इस दौरान कोई नया खेल खेला है ?			
१३.	क्या आप इस बीमारी से लडने के लिये मानसिक रूप से तैयार थे ?			
१४.	क्या आपने इस दौरान घर के कार्यों में कोई सहयोग किया ?			
१५.	इस महामारी से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त करने की आपकी रूचि थी ?			